दर्दों के सहते सहते मोहन तुम्हे है पाया

दर्दों के सहते सहते मोहन तुम्हे है पाया
जग जब दुखों ने घेरा तेरा नाम गुनगुनाया
दर्दों के सहते सहते .....

जग से जो मैंने माँगा मिलता नहीं सहारा
झूठे हैं सारे नाते कोई नहीं हमारा
तेरे दर पे जबसे आया दिल ने सुकून पाया
दर्दों के सहते सहते .....

माना की मैं पतित हूँ लाखों गुनाह किये हैं
अनजाने में ओ बाबा क्या क्या करम किये हैं
सब भूल कर ओ बाबा तुमने गले लगाया
दर्दों के सहते सहते .....

जीवन दिया तुम्ही ने तुमने इसे संवारा
अपने भगत को बाबा तुमने दिया सहारा
मैं तो चला था थोड़ा तुमने कदम बढ़ाया
दर्दों के सहते सहते .....

अब आरज़ू यही है मुझको ना तुम भुलाना
जितना भी हो ये जीवन तुम साथ चलते जाना

भानु पे है ये एहसान प्रेमी हमरे बनाया
दर्दों के सहते सहते मोहन तुम्हे है पाया
जग जब दुखों ने घेरा तेरा नाम गुनगुनाया
दर्दों के सहते सहते .....

जग से जो मैंने माँगा मिलता नहीं सहारा
झूठे हैं सारे नाते कोई नहीं हमारा
तेरे दर पे जबसे आया दिल ने सुकून पाया
दर्दों के सहते सहते .....

माना की मैं पतित हूँ लाखों गुनाह किये हैं
अनजाने में ओ बाबा क्या क्या करम किये हैं
सब भूल कर ओ बाबा तुमने गले लगाया
दर्दों के सहते सहते .....

जीवन दिया तुम्ही ने तुमने इसे संवारा
अपने भगत को बाबा तुमने दिया सहारा
मैं तो चला था थोड़ा तुमने कदम बढ़ाया
दर्दों के सहते सहते .....

Source:
https://www.bharattemples.com/dardo-ko-sehte-sehte-mohan-tumhe-hai-paaya/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw